भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3820

उत्तर देने की तारीख-24/03/2025

आईआईटी में शिक्षण संकाय की स्थिति

†3820. **एडवोकेट प्रिया सरोज:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत 15 वर्षों के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के पदों के लिए आज तक सृजित कुल नियमित पदों तथा की गई भर्तियों का संस्थावार और श्रेणीवार ब्यौरा क्या है;

(ख) अनारक्षित/सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणियों में अनुबंध के आधार पर नियुक्त शिक्षण संकाय का संस्थानवार ब्यौरा क्या है, कार्यकाल क्या है तथा कुल सृजित पदों में उनका प्रतिशत क्या है; और

(ग) सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के रूप में आरक्षित श्रेणी के पदों (नियमित, तदर्थ या अनुबंध) पर कार्यरत सामान्य श्रेणी के शिक्षण संकाय का संस्थानवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ग): आईआईटी स्वायत्त संस्थान हैं जो समय-समय पर यथासंशोधित प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 और उसके अंतर्गत बनाए गए परिनियमों द्वारा अभिशासित होते हैं।

रिक्तियों का होना और उनका भरा जाना एक सतत प्रक्रिया है। सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र और छात्रों की बढ़ी हुई संख्या के कारण अतिरिक्त आवश्यकता के कारण रिक्तियां उत्पन्न होती हैं। आईआईटी संकाय भर्ती के लिए रोलिंग विज्ञापन जारी करता है जो संस्थान में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए पूरे वर्ष खुला रहता है। गुणवत्तापूर्ण संकायों को आकर्षित करने के लिए उपाय किए गए हैं जिनमें वर्ष भर खुले विज्ञापन, खोज-सह-चयन प्रक्रियाओं के माध्यम से भर्ती, विशेष भर्ती अभियान, मिशन मोड भर्ती और पूर्व छात्रों/वैज्ञानिकों/संकाय को आमंत्रित करना आदि शामिल हैं।

आईआईटी वास्तविक विश्व की सर्वोत्तम कार्यप्रथाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करके छात्रों के अनुभवों को बढ़ाने के लिए प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस (पीओपी) को नियुक्त करते हैं। प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस उद्योग और संस्थान के बीच एक सेतु के रूप में भी कार्य करते हैं ताकि सार्वजनिक हित और सामाजिक आवश्यकताओं का समर्थन करने वाले शिक्षण और शोध के अवसरों की पहचान की जा सके। इसके अलावा, आईआईटी ऐसे विजिटिंग फैकल्टी सदस्यों को भी नियुक्त करते हैं जो शिक्षाविद या वरिष्ठ उद्योग पेशेवर क्षेत्र से होते हैं जो विचारों और दृष्टिकोणों के क्रॉस-कल्चरल आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए थोड़े समय के लिए आईआईटी में शामिल होते हैं।

सितंबर 2022 से दिसंबर 2024 तक मिशन मोड भर्ती अभियान के दौरान, आईआईटी ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणियों के तहत 615 से अधिक संकाय रिक्तियों को भरा है।

****